अव्यवस्था रखरखाव के अभाव में परिसर में जगह-जगह गंदगी फैली

भिटौली का ओपन थियेटर लड़ रहा अस्तित्व की लड़ाई

जबलपुर, नवभारत। जबलपुर स्मार्ट सिटी द्वारा भिटौली ग्वारीघाट में बनाए गए ओपन एयर थियटर की बदहाल होती स्थिति को देखकर कलाकार परेशान है। लोगों का कहना है कि दस से बारह करोड़ रुपये खर्च कर बनाए गए इस ओपन एयर थिएटर का आज तक सही तरीके से उपयोग नहीं हो पाया। रखरखाव के अभाव में परिसर में जगह-जगह गंदगी फैली हुई है। यहां शराब की बोतलें, प्लास्टिक और कचरे के ढेर यहां आम दृश्य बन चुके हैं। मालूम हो कि कोरोना संक्रमण के कारण देशभर के सिनेमाघरों में ताले डल गए थे। जहां एक तरफ शहर की जनता मनोरंजन से दूर हो गई थी, वहीं दूसरी तरफ इसका बड़ा नुकसान कलाकारो को भी हो रहा था। ऐसे में स्मार्ट सिटी द्वारा ग्वारीघाट के भिटौली क्षेत्र में ओपन एयर थिएटर बनाने का निर्णय लिया गया लेकिन अफसोस यहां आज तक एक भी फिल्म प्रसारित नहीं की जा सकी है

इस ओपन थियेटर में लोग अपनी सहूलियत के हिसाब से बैठकर परिवार के साथ फिल्म देख सकते थे। इन ओपन थियेटर्स में फूड जोन भी बनाए गए थे, जहां से दर्शक अपनी जरूरत के अनुसार खानपान की सामग्री ले सकते थे।

अब संचालन के लिए कंपनी को सौंपे जाने का है प्रस्ताव

बता दे कि स्मार्ट सिटी जबलपुर द्वारा अब इस ओपन एयर थिएटर को चलाने और रखरखाव करने निजी कंपनी को सौंपे जाने की योजना बनाई जा रही है। निगम के आला अधिकारियों ने बताया कि ओपन थियेटर दस सालों के लिए कंपनी को सौपा जाएगा। जिससे इसकी देख रेख के साथ साथ मनोरंजन भी होता रहेगा। अभी यहां ना तो कोई कार्यक्रम होता है और ना ही इसका रखरखाव हो रहा है। शहर में अपनी प्रस्तुति देने के लिए कलाकारों के पास सिर्फ एक ही ओपर एयर थियटर है। प्रशासन ने इसका रखरखाव निजी संस्था को दिए जाने से लोगो का कहना है कि इस क्षेत्र में रौनक वापस लौट सकती है। इस ओपर एयर थियटर को दोबारा शुरू करवाने के लिए शहर के कलाकार लगातार प्रशानिक व निगम अधिकारियों को शिकायत कर रहे हैं। बता दें कि इस ओपन एयर थिएटर में कैफेटेरिया, ओपन जिम एवं वाकिंग ट्रेक जैसी अन्य सुविधाएं भी मौजूद हैं।

फैक्ट फाइल

- ओपन एयर थियेटर बनाने की लागत 10 से 12 करोड़
- लगभग 6 वर्ष पहले बनाया गया था थिएटर
- इसमें ओपन जिम, कैफेटेरिया, वॉकिंग ट्रैक जैसी अन्य सुविधाएं थी शामिल
- अब बदहाल पड़ा हुआ है थिएटर
- टेंडर निकाल निजी कंपनियों को सौंपने की तैयारी

अभी असामाजिक तत्व दिखा रहे कलाकारी

करोड़ों रुपए की लागत से बनाए गये ओपन एयर थिएटर अब आसामाजिक तत्वों का गढ़ बन चुका है। करोड़ों रुपए खर्च कर बनाया गया परिसर बदहाली का शिकार हो गया है। ग्वारीघाट के भिटौली क्षेत्र में बनाया गया ओपन एयर थिएटर आज अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। कभी सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सामाजिक आयोजनों के उद्देश्य से तैयार किया गया यह परिसर अब असामाजिक गतिविधियों का केंद्र बन चुका है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यहां शाम ढलते ही शराबियों और असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगने लगता है, जिससे क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है स्थानीय रहवासियों ने बताया कि रात के समय यहां आने-जाने में डर लगता है। कई बार शिकायतें करने के बाद भी जिम्मेदार विभाग ध्यान नहीं दे रहा। लोगों ने मांग की है कि यहां नियमित साफ-सफाई कराई जाए, सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई जाए और सांस्कृतिक गतिविधियां शुरू कर इस स्थल को फिर से जीवंत बनाया जाए। गौरतलब है कि ग्वारीघाट क्षेत्र धार्मिक और पर्यटन की दृष्टि से शहर की महत्वपूर्ण पहचान माना जाता है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं।

टूट रहे पत्थर, बर्बाद हो रहा थिएटर

12 करोड रुपए की लागत से बनाए गए इस ओपन एयर थिएटर में लगाए गए विशेष पत्थर जगह-जगह से टूट रहे हैं जिससे इस थिएटर की छवि पर रोज नए दाग लग रहे हैं उचित रखरखाव न होने के कारण यहां लंबे समय तक ताला लटका हुआ है, जिस के बाद भी नगर निगम और स्मार्ट सिटी कलाकारों के इस मंच पर ध्यान नहीं दे रहा है। रखरखाव के अभाव में यह जगह असामाजिक गतिविधियों का अड्डा बन गई है और यहां झाड़ियां उग आई है। बता दे कि यहां सुरक्षा गार्ड और पर्याप्त प्रकाश (लाइटिंग) न होने के कारण शाम के समय इन खुले थिएटर्स में घूमने आने वाले लोगों को परेशानी भी उठानी पड़ रही है।

इनका कहना है

ओपन एयर थियेटर को जल्द ही निजी एजेंसी को सौंपा जाएगा। लेकिन इसमें निगम द्वारा मॉनिटरिंग की जाएगी। ओपन एयर थिएटर के शुरू हो जाने से शहर को एक नई पहचान मिलेगी।

रामप्रकाश अहिरवार, कमिश्नर, नगर निगम

सरकार ने मजबूती से रखा पक्ष, इसलिए निरस्त हुई गिरिबाला सिंह की जमानत : महाधिवक्ता

जबलपुर। एक्ट्रेस व माडल ट्विशा सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में हाईकोर्ट ने मृतिका की सास पूर्व जज गिरिबाला सिंह को मिली अग्रिम जमानत निरस्त कर दी है। भोपाल की जिला अदालत ने ये जमानत दी थी। हाईकोर्ट ने 17 पेज का अपना फैसला देर रात जारी किया। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि निचली अदालत ने अग्रिम जमानत देते वक्त केस से जुड़े अहम सबूतों का ठीक से परीक्षण नहीं किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए अग्रिम जमानत न्यायपूर्ण नहीं है। मध्य प्रदेश सरकार की ओर से इस मामले में मजबूती से पक्ष रखा गया। इसके कारण हाईकोर्ट ने गिरिबाला सिंह की जमानत निरस्त कर दी।

महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने पत्रकारों से चर्चा में बताया कि सरकार की ओर से जिरह के दौरान हाईकोर्ट को बताया गया था कि ट्विशा के शरीर पर चोट के सात निशान पाए गए थे। ये सभी चोटें उसकी मौत के पहले की थी। ट्विशा को फांसी के फंदे से उतारते समय ये चोटें नहीं आई थीं। कानूनन शादी के सात साल के अंदर हुई नवविवाहिता की संदिग्ध मौत की दहेज प्रताड़ना के मामले की नजर से जांच होती है। ट्विशा की वाट्सएप चैट से पता चलता है कि वो प्रताड़ित थी। पुलिस की एफआईआर में भी इसका जिक्र है कि ट्विशा दहेज को लेकर प्रताड़ना सह रही थी और उसके साथ क्रूरता भी हो रही थी। उसकी सास गिरिबाला को जांच एजेंसी ने कई नोटिस दिए थे, लेकिन उन्होंने कोई सहयोग नहीं किया।

12 लाख के लिए युवक को मारी थी गोली

घायल को थाने के बाहर फेंक भागे थे बदमाश

जबलपुर। कटंगी थाना अंतर्गत पौड़ी राजघाट से बदमाश किसान का अपहरण कर गोली मारकर उसे थाने के बाहर फेंक गए थे ।जांच में यह बात सामने आई कि गेहूं खरीदी के 12 लाख रूपए बकाया होने पर वारदात को अंजाम दिया गया है । पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास, अपहरण समेत अन्य धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक राजा सिंह लोधी 26 वर्ष निवासी ग्राम हरदुआ शहपुरा ने का किसान है । उसने ग्राम पौड़ी राजघाट कटंगी के सोनू लोधी से लगभग 25 दिन पहले 22-23 लाख रूपये का गेहूं खरीदा था जिसका उसे 12 लाख रूपये और देना बकाया था। बुधवार सुबह लगभग 10-30 बजे सोनू ने फोन कर बैंक ऑफ बड़ौदा उड़ना बुलाया । वह अपनी सेंट्रो कार क्रमांक एमपी 20 सीडी 1907 जिसमें नम्बर नहीं लिखा है से

उड़ना चौराहा पर गया,उड़ना चौराहा पर सोनू, सोनू का भाई एवं 2 अन्य लोग सोनू की बेगनआर कार से मिले इसके बाद सभी उड़ना कलारी पाटन के पास पहुंचे जहां अहाता में बैठकर लगभग आधा घंटा बातचीत किये। लगभग 12 बजे सोनू उससे बोला कि चलो घर चलकर बैठकर बात करते हैं वह सोनू की कार में बैठ गया और सोनू उसकी कार लेकर लगभग 1 बजे सोनू के घर ग्राम पौड़ी राजघाट कटंगी गये सभी लोग सोनू के घर के अंदर बैठकर बातचीत करने लगे, बातचीत के दौरान सोनू उससे अपने गेहूं के रूपये मांगने लगा, उसने सोनू से कहा कि अभी पैसे नहीं है शाम तक 2 लाख रूपये व्यवस्था करके दे देगा, इस बात पर सोनू का भाई एवं 2 अन्य लोग उसके साथ झूमाझपटी कर हाथ मुक्कों से मारपीट करते हुये सभी लोग बोले कि गेहूं का बकाया पैसा अभी चाहिये, रूपये नहीं दिये तो जान से खत्म कर देगें, उसने कहा कि अभी उसके पास पैसे नहीं है सोनू उसे गाली गलोज करते हुये जान से मारने की कहकर उसके साथ झूमाझपटी कर अपने घर के आंगन में बने बाथरूम की और धक्का देते हुये ले गया और अपनी कमर से माउजर पिस्टल निकाला और उसे जान से मारने की नियत से उस पर फायर कर गोली चला दी वह झुक गया तो गोली उसके वायें तरफ कमर के उपर पेट में लगकर बाहर निकल चोट आयी, सोनू एवं सोनू का भाई एवं उनके 2 अन्य साथी उसे उठाकर उसकी कार में बीच वाली सीट में लिटाकर डुंगरिया में रोड किनारे बने वेयर हाउस के पास कार से लगे गये वहां पर लगभग एक घंटा कार में ही रोकने के बाद उसे उसकी कार से ही सोनू थाना कटंगी के गेट के पास ले गया जहां उसे फेंककर भाग गए ।इसी बीच पुलिस आ गयी और उसे कटंगी अस्पताल लेकर गयी जहां से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। पुलिस रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर पतासाजी शुरू कर दी है।

अनवरगंज तिराहे पर वारदात

डिलीवरी बॉय पर चाकू से हमला, नकदी और पर्स लूटा

जबलपुर। हनुमानताल थाना अंतर्गत अनवरगंज तिराहे पर तड़के सुबह तीन बदमाशों ने मिलकर एक जोमैटो डिलीवरी बॉय को रोककर चाकू से हमला किया और उसकी जेब में रखे नगद सहित जरूरी दस्तावेजों से भरा पर्स छीनकर फरार हो गए। पुलिस ने रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 20 वर्षीय शैलेष नोरिया निवासी मदार टेकरी गेट के पास रहता है और जोमैटो में फूड डिलीवरी का काम करता है। गुरुवार तड़के सुबह लगभग 4 बजे वह अपनी मोटरसाइकिल एमपी 49 जेड डी 6516 से कोतवाली क्षेत्र में आयुष नामक ग्राहक को खाना डिलीवर कर वापस लौट रहा था।

चाबी निकाली और जांघ पर मार दिया चाकू

पीड़ित जैसे ही अनवरगंज तिराहे के पास पहुंचा, तीन लड़कों ने उसकी बाइक रोक ली। इनमें से एक बदमाश, खाई मोहल्ला निवासी शिवम उर्फ शुभम सोनकर ने जबरन बाइक की चाबी निकाल ली। शैलेष ने जब इसका विरोध किया तो शुभम ने उसकी जेब में हाथ डालकर 800 नगद और पर्स छीन लिया। पर्स में आधार कार्ड समेत अन्य जरूरी कागजात थे। इसी बीच शुभम के साथी देवराज ने चाकू निकाला और शैलेष की बाईं जांघ पर मार दिया, जबकि उनका तीसरा साथी पिल्ला उसे लात-मुक्कों से पीटने लगा। तभी पीछे से पीड़ित का दोस्त सीताराम वहां आता दिखाई दिया। उसे देखकर तीनों आरोपी मौके से भाग निकले। पुलिस ने आरोपी शुभम सोनकर, देवराज और पिल्ला के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है ।

दिन में आसमान से बरसी आग, रात में रिमझिम बरसे मेघा

जबलपुर । गुरूवार को मौसम का मिजाज बदला रहा । एक दिन में मौसम ने कई रंग दिखायें। दिन में धूप के बीच बारिश की फुहारें बरसी। इसके साथ ही बादलों ने भी डेरा डाला। रात में कुछ मिनट रिमझिम बारिश हुई। दरअसल शहर में नौतपा के शुरू होते ही गर्मी ने अपने रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। गुरूवार को सूर्यदेव के तीखे तेवरों के कारण तापमान का पारा 44 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया।

दोपहर के समय गर्म हवाओं के थपेड़ों के कारण राहगीरों का सड़कों पर निकलना दूभर हो गया है। लू ने लोगों को बेहाल किया। दोपहर बाद मौसम का मिजाज थोड़ी देर के लिए बदला। मौसम ने करवट ली और रिमझिम बारिश शुरू हुई लेकिन चंद पलों में मौसम की रंगत फिर बदल गई और धूप खिल गई । लगातार बढ़ती उमस और तपिश के कारण घरों और दफ्तरों में लगे कूलर पंखे भी गर्म हवा फेंक रहे थे। रात होते ही मौसम ने एक बार फिर करवट बदली और अचानक बदरा बरस पड़े। थोड़ी देर हुई बारिश के बाद

बरसने वाले बादल आगे बढ़ गए। मौसम विभाग की माने तो आगामी 2-3 दिनों के दौरान दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्वी अरब सागर के कुछ और हिस्सों, लक्षद्वीप क्षेत्र, दक्षिण-पश्चिम, पूर्व-मध्य और पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी, दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के शेष हिस्सों और उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के और आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हैं। पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पाकिस्तान और संलग्न क्षेत्रों के ऊपर माध्य समुद्र तल से 3.1 किमी की ऊंचाई पर एक चक्रवातीय परिसंचरण के रूप में लगातार सक्रिय है। उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश और संलग्न क्षेत्रों के ऊपर माध्य समुद्र तल से 1.5 किमी की ऊंचाई पर एक चक्रवातीय परिसंचरण सक्रिय है।

ऐसा रहा तापमान

गुरूवार को अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जो सामान्य से 2 डिग्री कम रहा । न्यूनतम तापमान 30.2 डिग्री पर पहुंच गया जो सामा न्य से 2 डिग्री अधिक रहा । सुबह के वक्त आद्रता 38 और शाम को 31 प्रतिशत दर्ज की गई। उत्तर-पश्चिमी हवाएं 5 से 6 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से चली ।

सदर में मृत बछड़ा मिला, भड़का आक्रोश

जबलपुर। छावनी क्षेत्र सदर कटंगा में बुधवार देर रात एक मृत बछड़ा मिलने से हड़कम्प मच गया। बताया जाता है कि बछड़े को श्वानो ने नोच खाया। जानकारी लगते ही हिन्दु संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए । हिन्दु धर्म सेना व बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने मौके पर पहुंचकर नारेबाजी की । आक्रोश भड़क गया। मामले की सूचना मिलते ही केन्ट पुलिस भी घटनास्थल पहुँच गयी और बछड़े के शव को पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया। इस दौरान हिन्दु धर्म सेना के योगेश अग्रवाल, प्रदेश अध्यक्ष नीरज राजपूत, सुमित ठाकुर, नितेश पारस , उमेश रजक, सुजीत महतो, मुकेश रजक, भरत पासी, आदि ने कहा है कि जल्द जांच के बाद दोषियों की गिरफ्तारी ना होने पर उग्र आन्दोलन किया जाएगा।

डॉक्टरों एवं मेडिकल स्टाफ की समस्याओं पर हुआ विशेष संवाद

एक मंच - डॉक्टरों की समस्याओं और समाधान के लिए

नवभारत,जबलपुर। भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ, जबलपुर द्वारा होटल गुलजार में डॉक्टरों एवं हेल्थकेयर वर्कर्स की समस्याओं, चुनौतियों एवं स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों को लेकर एक विशेष संवाद आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य एवं पूर्व अध्यक्ष, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग प्रियंक कानूनगो उपस्थित रहे। वहीं भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष योगेंद्र सिंह ठाकुर विशेष रूप से कार्यक्रम में शामिल हुए।

महानगर संयोजक डॉ. विवेक जैन ने संवाद की रूपरेखा एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉक्टरों एवं हेल्थकेयर वर्कर्स की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान की दिशा में सार्थक पहल करना समय की आवश्यकता है। वहीं प्रदेश सह संयोजक डॉ. अश्विनी कुमार त्रिवेदी द्वारा मुख्य अतिथि प्रियंक कानूनगो का स्वागत किया गया, वहीं योगेंद्र सिंह ठाकुर का स्वागत डॉ. शुभम राज अवस्थी द्वारा किया गया।

संवाद के दौरान उपस्थित डॉक्टर साथियों ने स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों, समस्याओं एवं सुझावों पर खुलकर अपने विचार रखे। अंत में डॉ. अश्विनी कुमार त्रिवेदी द्वारा सभी अतिथियों, डॉक्टर साथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. नवीन कोठारी, डॉ. संजय मिश्रा, डॉ. सतेंद्र मिश्रा, डॉ.विनोद तमकार, डॉ. अभिजीत मुखजी, डॉ. अभिनव श्रीवास्तव, डॉ. पुष्पराज पटेल, डॉ. संजय श्रीवास्तव, डॉ.ए.के.सोनकर, डॉ. गौरव सिंह सहित बड़ी संख्या में डॉक्टर एवं हेल्थकेयर वर्कर्स उपस्थित रहे।

युवती के साथ दुष्कर्म करने वाले पर एफआईआर

जबलपुर। बेलखेड़ा निवासी युवती को शादी का झांसा देकर गुजरात ले जाकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी के खिलाफ गुरूवार को पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। बुधवार को पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर शिकायत की थी। 21 वर्षीय पीड़िता के मुताबिक बेलखेड़ा निवासी सुरेन्द्र पटेल उसे बहल फुसला कर शादी का प्रलोभन देकर 6 फरवरी 2026 को सूरत तातार्इयाँ गुजरात ले गया था जहां तीन महीने तक उसके साथ दुष्कर्म किया । इसके बाद वे उसके चुंगुल से छूटकर जबलपुर आ गई थी। पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर बुधवार को शिकायत की थी। साथ ही यह भी आरोप लगाया था कि प्रशांत नामक युवक भी उसकी 16 वर्षीय बहन का अपहरण कर गुजरात ले गया है। बेलखेड़ा पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही है। गुरूवार को पुलिस ने आरोपित के खिलाफ दुष्कर्म की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है ।

अधिवक्ता के खाते से साइबर ठग ने उड़ाये 1.89 लाख

जबलपुर। अधारताल थाना अंतर्गत न्यू राम नगर निवासी अधिवक्ता के बैंक खाते से साइबर ठग ने दो किस्तों में कुल 1,89,589 रुपये पार कर दिए।

जानकारी के अनुसार न्यू राम नगर निवासी अधिवक्ता राजेश कनौजिया ने शिकायत करते हुए बताया कि बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा आनंद नगर शाखा में उनका बचत खाता है । खाते में करीब 1.89 लाख रुपये जमा थे। उनके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर पहली किस्त के रूप में 75,400 रुपये कटने का मैसेज आया। मैसेज देखने के बाद उन्होंने तुरंत बैंक के टोल-फ्री नंबर पर संपर्क किया। वहाँ कस्टमर केयर द्वारा एटीएम के आखिरी 4 अंक मांगे गए, लेकिन

बैंक से कभी एटीएम जारी न होने के कारण पीड़ित की शिकायत दर्ज नहीं हो सकी। इसी दौरान उनके मोबाइल पर दूसरा मैसेज आया, जिसे देखकर उनके होश उड़ गए। ठगों ने खाते की पूरी रकम निकाल ली थी और खाते में मात्र 94.55 रुपये का शेष बचा था। पीड़ित ने अब थाने में शिकायत करते हुए न्याय की गुहार लगाई है।

महाराष्ट्र की तर्ज पर मिले रीडेवलपमेंट की सुविधा

मुख्यमंत्री समेत नगरीय विकास एवं आवास मंत्री को लिखा पत्र

नवभारत,जबलपुर। मध्य प्रदेश में तेजी से हो रहे शहरीकरण के बीच चालीस वर्षों से भी अधिक एक ही पुरानी बहुमंजिला इमारतों में रह रहे लोगों को अब उनके भविष्य की चिंता सताने लगी है। दरअसल फ्लैट में रह रहे लोग इस बात की फिक्र से उनकी इमारत जर्जर होने लगी है ,ऐसे में अगर नया घर नहीं खरीद सकते तो उनका क्या होगा। इस आशंका को दूर करने के लिए मध्य प्रदेश सरकार को भी अन्य राज्य की भांति पुराने भवनों के लिए रीडेवलपमेंट की सुविधा प्रदान करनी चाहिए।

महाकौशल बिल्डर्स एंड डेवलपर्स एसोसिएशन ने इस दिशा में कदम बढ़ाया है। एसोसिएशन के सुधीर दत्त, सरबजीत सिंह मोखा और शंकर मंछानी ने शहरी विकास को रफ्तार देने के लिए मुख्यमंत्री समेत नगरीय विकास एवं आवास मंत्री को पत्र लिखकर मांग की है कि जल्द से जल्द अन्य राज्य जैसे महाराष्ट्र की भांति रीडेवलपमेंट नीति लागू की जाए, ताकि बहुमंजिला भवनों को फिर से उसी स्थान पर बनाकर लोगों को उनके ही स्थान पर नया आवास या फ्लैट मिल सके।

जबलपुर में है कई पुरानी बहुमंजिला इमारतें

महाकौशल बिल्डर्स एंड डेवलपर्स एसोसिएशन ने कहा है कि प्रदेश के बड़े शहरों में भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, सागर आदि शहरों में वर्ष 1980 के पहले से बहुमंजिला इमारतें बनाई जा रही हैं। विशेषज्ञों के अनुसार चालीस वर्ष के बाद इन इमारतों में रहना खतरनाक माना जाता है। जबलपुर में ऐसी कई बहुमंजिला इमारतें हैं जो इस सीमा को पार कर चुकी हैं। इसलिए अब आवश्यकता है कि अन्य राज्य सरकार की भांति सरकार मध्य प्रदेश में भी यह मॉडल लागू करे। इस फैसले से सरकार को राजस्व मिलेगा, साथ ही सभी को फायदा होगा। खासकर उन लोगों को जो वर्षों से एक ही स्थान पर रह रहे हैं। उन्हें नया भवन मिल जाएगा और वे अपनी पहचान कायम रख सकेंगे। एसोसिएशन के सुधीर दत्त, सरबजीत सिंह मोखा और शंकर मंछानी ने ये भी बताया कि ऊंचे भवनों के रीडेवलपमेंट के बारे में गंभीरता से सरकार को सोचना होगा।

निरीक्षण नियमित रूप से फील्ड पर उतरकर मॉनिटरिंग करने दिए निर्देश

4 संभागों के वार्डों का निगमायुक्त ने किया निरीक्षण

नवभारत,जबलपुर। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार द्वारा शहर की सफाई, जलापूर्ति और प्रकाश व्यवस्था देखने के साथ वर्षा पूर्व नाला नालियों की सफाई व्यवस्था का भी जायजा लेने सुबह से लेकर 10 बजे तक 4 संभागों के विभिन्न वार्डों का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने भानतलैया, मंडी मदार टेकरी, कुलिहिल टैंक और परियट जलाशय का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रों में सफाई, पेयजल आपूर्ति और स्ट्रीट लाइट की स्थिति बेहतर पाई गई। इस मौके पर निगमायुक्त ने नियमित

रूप से फील्ड पर उतरकर मॉनिटरिंग करने स्वास्थ्य अमले को निर्देश दिए।

इस दौरान निगमायुक्त ने अपने दौरे की शुरुआत भानतलैया एवं मंडी मदार टेकरी से की इसके बाद निगमायुक्त ने जलस्रोतों का भी निरीक्षण किया । उन्होंने परियट जलाशय और कुलिहिल टैंक पहुंचकर शहर को होने वाली जलापूर्ति व्यवस्था की समीक्षा की और ग्रीष्मकाल में नागरिकों को पर्याप्त और शुद्ध पेयजल मिले, इसके लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जल शोधन संयंत्रों और पंपिंग स्टेशनों के सुचारू संचालन को देखकर उन्होंने संबंधित टीम के प्रयासों की सराहना की। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने मौके पर मौजूद विभागीय अधिकारियों और स्वास्थ्य निरीक्षकों को निर्देशित किया कि नियमित रूप से फील्ड पर उतरकर मॉनिटरिंग करें। इस पर सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।